

३०
११
पाठ

**गोटिए दुर्घटणा
गोटिए दुर्घटणा**

रमू : हृषीक ! गाड़ि धारे धारे
चला । आगरे बस्ता केते
ज्ञानरे आशुद्धि देखिलू !
मोते बहूठ उर लाशुद्धि ।

हृषीक : कहूना भाई । आजिकालि राष्ट्रारे
येते उड़ि हैदरद्धि येते
दुर्घटणा घटूद्धि । मो पाखरे
दुर्घटणार गोटिए बड़ि उलिका
अछि ।

रमू : तु उ राजमहल छुकरे
दुर्घटणा कथा शूणिनथिरू । क'श
शूणिरू ?

हृषीक : ना, दुर्घटणा केमिति
हैला?

रमू : तुमे क'श मो पाखरू येहै
बिषयरे शूणिबाकू चाहूँद्धि कि?
तेबे शूण । गोटिए बस् ओ
गोटिए सूचर बिपरीठ दिगरू
आशुथिले । मूहाँ मूहैं धक्का
हैला ।

हृषीक : बहूठ लौक उ

एक दुर्घटना

रमु : हबीब, गाड़ी धीरे-धीरे चलाओ । देख
लो सामने कितनी तेजी से बस आ
रही है! मुझे बहुत डर लग रहा है ।

हबीब : मत बोलो भाई । आजकल रास्ते में
जितनी भीड़ हो रही है, उतनी
दुर्घटनाएँ भी हो रही हैं । मेरे पास
दुर्घटनाओं की एक तालिका है ।

रमु : तू ने तो राजमहल चौक की दुर्घटना
के बारे में नहीं सुना होगा? क्या
सुना है?

हबीब : नहीं । दुर्घटना कैसे हुई?

रमु : क्या तुम मुझ से उस के बारे में
सुनना चाहते हो? तब सुनो । एक
बस और एक स्कूटर विपरीत
दिशाओं से आ रहे थे । आपस में
टक्कर हुई ।

हबीब : तो बहुत लोग मरे होंगे?

रमु : नहीं । बहुत लोग तो नहीं मरे होंगे ।
दो प्रौढ़ व्यक्ति और एक छोटा सा
बच्चा दुर्घटना स्थल पर ही मर गए ।
मैंने ऐसा ही सुना था ।

मरिथिबे ?

रमू : नाँ, बहुउ लोक उ मरि नथिबे। दि' ऊश बघूम्ब लोक ओ गोठिए छ्लाट पिला दुर्घटशा प्लानरे हुँ घजे घजे मरिगले। मुँ एमिति हुँ शुणिथिलि।

हृषिक : आहा ! केते रक्त बोहुथिब! लोकमाने वि बहुउ खण्णिआ शाबदा ह्रोछथिबे।

रमू : ये कथा आउ पचारना भाऊ। ये दृश्य अठि करूण थिला।

हृषिक : ए यस्तु दुर्घटशार प्रधान कारण हेला लोकसंख्या बढ़ि। आमर ऊनसंख्या येते बढ़िब येते समस्या मध्ये बढ़िब।

रमू : ह्लाडि ये कथा। आह्ला, तु उ कालि कठक यिहु। मो पाऊ गोठे ऊपाकेट आणिथिहु।

हृषिक : तु वि मो याज्ञे चालना।

रमू : आह्ला हृष, याज्ञ ह्रोछ यिबा।

हृषिक : तो हेल्मेटशा वि याज्ञरे नेइथिहु। आमकू रक्षा करिबा विषयरे आमे येते भाबिबा येते उलहेब।

रमू : हुँ, शुण। येतेबेले मुँ

हृषिक : ओह! कितना खून बहा होगा! बहुत से लोग जळमी भी हुए होंगे।

रमू : यह बात और मत पूछो भाई। वह दृश्य बड़ा ही कारुणिक था।

हृषिक : इन सब दुर्घटनाओं का प्रधान कारण है जनसंख्या वृद्धि। हमारी जनसंख्या जितनी बढ़ेंगी उतनी ही समस्याएँ भी बढ़ेंगी।

रमू : छोड़ो इस बात को। अच्छा तू तो कल कटक जाएगा। मेरे लिए एक जाकेट लाना।

हृषिक : तु भी मेरे साथ चल ना।

रमू : अच्छा। एक-साथ जाएँगे।

हृषिक : अपना हेलमेट भी साथ लाना। हमारी रक्षा के बारे में हम जितना सोचेंगे उतना ही अच्छा होगा।

रमू : हाँ, सुन। तब तक मैं भाभी को फोन पर बताया होगा। उन्होंने दोनों मित्रों को खाने के लिए रखा होगा।

हृषिक : तब तो खूब मजा आएगा। कल सुबह नौ बजे मैं तुम्हारा इंतजार करूँगा। तू मेरे साथ जरूर आएगा। साथ में गरम कपड़े भी लाएगा। वापस आते समय ठंड लगेगी।

भाउजङ्गु पोनरे कहिथिबि । ये
आम दुजूरेण साजङ्क पाल
शाइबाकु रक्षिथिबे ।

हृषिक : तेबे त शुद्ध मना
हैब । कालि सकाल नथगारे
मूँ तोते अपेक्षा करिबि । तु
मो सहित निश्चय आधिरु ।
साजरे शीत पोषाक मध्य
आशिरु । फेरिला बेले थण्डा
लागिब ।

रमु : मोठे त थण्डा पसंद । येते
थण्डा हैब मोठे येते भल
लागिब ।

रमु : मुझे तो ठंड ही पसंद है । जितना ठंड
होगा मुझे उतना ही अच्छा लगेगा ।

शब्दार्थ

ओडिआ शब्द	हिंदी अर्थ
गाढ़ि	गाड़ी
शूणिबाकु	सुननेको
चाहूँछि	चाहता हूँ
मोठे	मुझे
बहूउ उर	बहुत डर
मो पाखरे	मेरे पास्
बड़ि तालिका	बड़ी तालिका
धैरे धैरे	धीरे-धीरे
चला	चलाना
केते छोररे	कितनी ज़ोर से
भिड़	भीड़

ଦୁର୍ଘଟଣା	ଦୁର୍ଘଟନା
ଶୁଣିଥିବୁ	ସୁନା ହୋଗା
ବିପରୀତ ଦିଗରୁ	ଵିପରୀତ ଦିଶାଓଁ ସେ
ମୁହଁ ମୁହଁ	ଆମନେ-ସାମନେ (ଆପସ ମେ)
ଧଳ୍ଲା	ଟକ୍କର
ଦି' ଜଣ	ଦୋ ଆଦମୀ
ଦୟାକୁ ଲୋକ	ପ୍ରୌଢ଼ ଆଦମୀ
ଛୋଟ ପିଲା	ଛୋଟା ବଚ୍ଚା
ରକ୍ତ	ଖୂନ
ବହିଥିବ	ବହା ହୋଗା
ପ୍ରଧାନ	ପ୍ରଧାନ
କାରଣ	କାରଣ
ଲୋକ ସଂଖ୍ୟା	ଲୋକସଂଖ୍ୟା/ଜନସଂଖ୍ୟା
ମନ୍ଦାହ୍ରେବ	ଆନଂଦ ହୋଗା/ମଜା ଆଏଗା
ସକାଳ ନଥଟାରେ	ସୁବହ ନୌ ବଜେ
ଅପେକ୍ଷା କରିଥିବି	ଇଂତଜାର କରୁଗା
ଥଣ୍ଡା ଲାଗିବ	ସର୍ଦ୍ଦି ଲଗେଗି
ମୋ ସହିତ	ମେରେ ସାଥ

ଅଭ୍ୟାସ

I. ନୀଚେ ଦିଇ ଗଏ ବାକ୍ୟ ଦୋହରାଇଏ ।

1. ତୁ ତ ରାଜମହିଳ ଛୁକରେ ଦୁର୍ଘଟଣା କଥା ଶୁଣି ନଥିବୁ ।
2. ବହୁତ ଲୋକ ତ ମରିଥିବେ ?
3. ଆହ୍ଵା ! କେତେ ରକ୍ତ ବୋହିଥିବ ।
4. ମୋ ପାଇଁ ଗୋଟେ ଜ୍ୟାକେଟ ଆଣିଥିବୁ ।

5. मूँ उत्तरज्ञु पोन् करि कहिथिबि ।
6. साङ्गरे शीठ पोषाक मध्य नेइथिबू ।
7. आजिकालि रास्तारे येते उडि ह्रेउत्रि येते दुर्घटणा घरुल्लि ।
8. आमर उनसंघाया येते बढ़िब येते समस्याया मध्य बढ़िब ।
9. आमकू रक्षा करिबा विषयूरे आमे येते उविबा येते हुँ उल ह्रेब ।

II. वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।

1) बहुउच्च लोक त मरिथिबे । 2) केतेउ रक्त बहिथिब ।

हुडा	पाणि
स्वी लोक	रजा
विदेशी	तेल
मणिष	दूध
पिला	रस

3) मेा पाई गोठे ज्याकेट 4) मूँ उत्तरज्ञु पोनरे कहिथिबि ।
आणिथिबू ।

शाढ	मा'झु
.1	बडि उत्तरज्ञु
घाघरा	यार्जु
	अप्रियरज्ञु

कोर्ट
सार्ट
हार

5) मूँ उठे अपेक्षा करिथिबि ।

कलम देइथिबि ।
गालि देइथिबि ।
उल पाइथिबि ।
शप कहिथिबि ।
चिठि देइथिबि ।

III. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का सही स्थान पर प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण:- तु उ शुणिथिबू । (दूर्घटणा कथा, राजमहल छुकरे)
तु उ राजमहल छुकरे दूर्घटणा कथा शुणिथिबू ।

1. तु उ पिछिथिबू । (ग', आसामरे)
2. तु उ जाणिथिबू । (पूजाह्रेवा कथा, आम घरे)
3. तु उ कहिथिबू । (नाटक ह्रेवा कथा, कलेजरे)
4. तु उ लेखिथिबू । (निहार1का पत्रिकारे, ताजमहल कथा)
5. तु उ पढिथिबू । (साडाज्ञ कथा, रामायूणरे)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे करिए।

(1) (पेरिला, दूर्घटणा, ज्ञाररे, पोषाक, साङ्गरे)

1. आगरे बस्टा केते _____ आसुछि देखिलू ।
2. काहा सहित _____ हैला ?
3. तु बि मो _____ चालना ।
4. रात्रिरे _____ बेले थण्डा लागिब ।
5. साङ्गरे शात _____ नेइथिबू ।

(2) (साङ्गे साङ्गे, साङ्गे, साङ्ग, साङ्गरे, साङ्ग)

1. मूँ तो _____ पिबि ।
2. आमे _____ होइ कटक पिबा ।
3. हृषिके तो साहित्य बहिटा _____ आणिथिबू ।

4. राकेश रमेशर एबूठारु उल ____।
5. बजारगु ____ आयि॒व।

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

- (1) उदाहरण:- तु दूर्घटा कथा शूणिथि॒रु।
तु दूर्घटा कथा शूणि॒रु।

1. तु जगन्नाथङ्क कथा लेखिथि॒रु।
2. तुमे बाहूधर कथा जाणि॒थि॒व।
3. तुमेमाने वर्षा कथा शूणि॒थि॒व।
4. आपशं यिनेमा कथा कहि॒थि॒वे।
5. आपशमाने रामङ्क कथा पढि॒थि॒वे।

- (2) उदाहरण:- ये लिङ्गराज मन्दि॒र देखि॒थि॒वे।
ये लिङ्गराज मन्दि॒र देखि॒थि॒ले।

1. र1ता रजरे पोड़ पिठा याइ॒थि॒व।
2. आपशं ताजमहळ देखि॒थि॒वे।
3. तुमे उपन्यासकार गोप1नाथ महान्तुङ्क बिष्यूरे शूणि॒थि॒व।
4. येमाने ओड़िशारे चिलिका छुद देखि॒थि॒वे।
5. पिलाटि केतेबेलू कायि॒थि॒व।

VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पुरे कीजिए।

1. तु कालि कट्क ____। (याइ॒थि॒व, याइ॒थि॒रु)
2. मूँ तुम घरे पहुँचि ____। (थि॒रु, थि॒व)
3. केते रक्तु ____। (बोहि॒थि॒रु, बोहि॒थि॒व)
4. तुमे मो बहि याज्ञरे ____। (नेइ॒थि॒व, नेइ॒थि॒व)
5. मूँ ढोते अपेक्षा ____। (करि॒थि॒व, करि॒थि॒व)

VII. 'क' विभाग के ओडिआ वाक्यांशों का 'ख' विभाग के हिंदी वाक्यांशों से सही प्रकार मिलान कीजिए।

'क'

'ख'

ଲେଖୁଥିଲା	ଖା ରହା ଥା ।
ଖେଳିଥିଲା	ଦେଖା ହୋଗା ।
ପିଉଥିବ	ଖେଲା ଥା ।
ଖାଉଥିଲା	ପଢ଼ ରହା ହୈ ।
ଶୁଣିଛୁ	ଲିଖ ରହା ଥା ।
ଦେଖୁଥିବ	ସୁନା ହୈ ।
ପଢୁଥିବୁ	ପାରି ରହା ହୋଗା ।

VIII. उदाहरण के अनुसार कोष्टक में दी गई मूल क्रियाओं के सही रूपों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण:- बଣିଚାରେ କେତେ ଫୁଲ _____ । (ଫୁଟିବା)
 ବଣିଚାରେ କେତେ ଫୁଲ ଫୁଟିଛୁ ।

1. ଫୁଲର ସବୁ ପାଖୁଡ଼ା _____ । (ମେଲିବା)
2. ତୁମେ ମତେ ଗପ ବହୁ _____ । (ଦେବା)
3. ରମା ଓଡ଼ିଆ ସିନେମା _____ । (ଦେଖିବା)
4. ବୋଉ ଗାଁରୁ _____ । (ଫେରିବା)
5. ଦେବୀ ନିଜରେ ବନ୍ୟା _____ । (ଆସିବା)

IX. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ଯେତେ କଠିନ ପରିଶ୍ରମ କରିବା _____ ଭଲ ଫଳ ପାଇବା ।
2. ସେଇ ନର୍ତ୍ତକୀ _____ ଭଲ ନାଚିବ, ସେତେ ପ୍ରଶଂସା ଲୋକଙ୍କଠାରୁ ପାଇବ ।
3. ଆମକୁ ଯେତେ ଟଙ୍କା _____, ସେତେ ବ୍ୟାଙ୍ଗରୁ ନେବା ।
4. ଆଜି ବଣିଚାରେ ଯେତେ ଫୁଲ _____, ସେତେ ଫୁଲ ଶ୍ରୀଜନନ୍ଦାଥଙ୍କୁ ପୂଜା କରିବା ପାଇଁ ଦେଇଛୁ ।
5. ଲିଙ୍ଗରାଜ ମନ୍ଦିରରେ ଆଜି ବହୁତ ଭିଡ଼ _____ ।
6. ମୁଁ ମୋ ସାନଭାଇକୁ _____ ଭଲପାଇ ସେ ମଧ୍ୟ ମୋତେ _____ ଭଲପାଇ ।

पଢ଼ିଏ ଓ ସମଝିଏ

ଭାରତର ଜନସଂଖ୍ୟା

ଭାରତର ଜନସଂଖ୍ୟା

ଭାରତ ବିଜ୍ଞାନ ଏବଂ ପ୍ରୟୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟା କ୍ଷେତ୍ରରେ ଏକ ଆଗୁଆ ଦେଶ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ଏହାର ସମୃଦ୍ଧି ପଥରେ ପ୍ରଧାନ ଅନ୍ତରାୟ ହୋଇ ଦେଖାଯେଇଛି । ଅହେତୁକ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧିକୁ ରୋକିବା ଏଥାଏ ସମ୍ବନ୍ଧପର ହେଲା ନାହିଁ । ନିକଟରେ ଯୋଜନା କମିଶନରଙ୍କ ଜନସଂଖ୍ୟା ବିଶେଷଜ୍ଞଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଏ ସମକ୍ରିୟ ଏକ ଶୁରୁଦ୍ଵାର୍ଷ ରିପୋର୍ଟ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି । ଯାହା ପ୍ରଶିଖାନ ଯୋଗ୍ୟ । ଏଥିରେ ଦର୍ଶାଯାଇଛି ଯେ, ଭାରତର ଜନସଂଖ୍ୟା ଶତ୍ରେ କୋଟିରୁ ଉର୍ଧ୍ବ । ଏହା ଭାରତ ଭଲି ବିକାଶଣୀଳ ରାଷ୍ଟ୍ରପାଇଁ ନିଷ୍ଠିତରେ ଏକ ସତର୍କ ଘଣ୍ଟି । ଭାରତ ବର୍ଷରେ ଜାତୀୟ ଜନସଂଖ୍ୟା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ଯୋଜନା କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ହେଉଛି ଓ ଏହାକୁ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରିବାରେ ଭାରତ ପୃଥିବୀରେ ପ୍ରଥମ ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଛି । ୧୯୫୭ ମସିହାରେ ଏହି ନୀତି ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା । ଏହା ଭିତରେ ଦୀର୍ଘ ୪୭ ବର୍ଷ ଅତିବାହିତ ହୋଇଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ପୂର୍ଣ୍ଣ ଜନସଂଖ୍ୟା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଫଳ ହୋଇଛି । ପ୍ରତିବର୍ଷ ଜନସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି । ଏପରି ବୃଦ୍ଧି ପାଇଲେ ଆଉ କେତେ ଦଶହି ପରେ ପ୍ରାୟ ୨୦୫୦ ମସିହା ବେଳକୁ ଏହା ବର୍ତ୍ତମାନ ପୃଥିବୀର ସବୁଠାରୁ ଦେଶୀ ଜନସଂଖ୍ୟା ବିଶିଷ୍ଟ ରାଷ୍ଟ୍ରର ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଥିବା ଚାନ୍କୁ ପରିଯିବ । ବିଶ୍ୱରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ନ ଗୁଣ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଲା ବେଳେ କେବଳ ଭାରତରେ ଏହା ନ ଗୁଣ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି ।

ଭାରତରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ସମସ୍ୟାମାନ ବଢ଼ିଯାଇଥାଏ । ଯେମିତି ବେକାର ସମସ୍ୟା, ଅଭାବ ଅନାଟନ, ମାରପିଣ୍ଡ, ଦଙ୍ଗା ହୃଜାମା ଆଉ ପରିବେଶ ପ୍ରଦୂଷଣ ବଢ଼ିଚାଲିଛି ସେମିତି ରାଜ୍ୟ ରାଜ୍ୟ ଭିତରେ ଘମାଘୋଟ ଯୁଦ୍ଧର ସ୍ଵତ୍ରପାତ ମଧ୍ୟ ହୋଇଥାଏ । ଜନସଂଖ୍ୟା ବିଶ୍ୱରଣ୍ଣରୁ ମୁକ୍ତିପାଇବା ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ରାଜ୍ୟର ସରକାର ବହୁତ କଟିନ ପରିଶ୍ରମ କରୁଛିନ୍ତି । କିନ୍ତୁ ଲୋକମାନଙ୍କ ତରଫରୁ ଯେତେ ପରିଶ୍ରମ ହେବା ଦରକାର ସେତେ ହେଉନାହିଁ । ଯଦି ଏହି ପରିଷ୍ଟିତି ଶତାବୀ ଶତାବୀ ଧରି ଚାଲେ ତେବେ ଜୀବଜଗତର ବିନାଶ ହୋଇଯିବ ।

ସରକାର ଅଗ୍ରାଧିକାର ଭିତରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରନ୍ତୁ । ଏହି ଲକ୍ଷ୍ୟ ହାସଳ ଦିଗରେ ଥିବା ମୁଖ୍ୟ ପ୍ରତିବନ୍ଦକ ସତେତନତାର ଅଭାବକୁ ଦୂରେଇ ରଖନ୍ତୁ ନଚେତ୍ ନେବିରୁ କହୁଣୀକୁ ଚାଲିଯିବ । ବିକାଶଣୀଳ ରାଷ୍ଟ୍ର ଭାରତ ଜନସଂଖ୍ୟା ଭାରରେ 'ଗୋଦରା କୋଡ଼ି ଯେତେ ମାଡ଼େ ସେତେ' ନୀତିରେ ସେହି ବିକାଶଣୀଳ ଅବସ୍ଥାରେ ହିଁ ରହିବ । ବିକଣିତ ହେବା ଆଶା ସ୍ଵପ୍ନରେ ରହିଯିବ । ଏମିତି ଗୋଟିକ ପରେ ଗୋଟିଏ ପଞ୍ଚବର୍ଷିକ ଯୋଜନା

यात्रिका किनू योजनार सूफल जनसंख्या कृक्षि योग्य देशर घाधारण नागरिक पाइवारु बंचित हैं।

शब्दार्थ

ओडिशा शब्द	हिंदी अर्थ
जनसंख्या	जनसंख्या
विज्ञान	विज्ञान
प्रशूक्ति विद्या	प्रयुक्ति विद्या
आगुआ देश	आगे रहनेवाला देश
समृद्धि पथरे	समृद्धि की पथरे
प्रधान अनुराग	प्रधान बाधा
अह्रेतुकि	ज्यादा
रोकिबा	रोकना
योजना करिण	योजना करिण
विशेषज्ञ	विशेषज्ञ
शुरुउपूर्ण रिपोर्ट	महत्वपूर्ण रिपोर्ट
प्रशिखान योग्य	ध्यान देने योग्य
दर्शायाइल्लि	दर्शित हुआ है
आगामी	आनेवाला
ऊर्ध्व	ऊर्ध्व, ऊपर
पर्वंचियिक	पहुँचेगी
विकाशशील राष्ट्र	विकासशील राष्ट्र
सतर्क घटा	सतर्क घटा
नियन्त्रण	नियंत्रण
कार्यकारी	कार्यकारी
नियमावली	नियमावली

अठिबाहृति छोड़ाया जाति ले	चला गया
दशन्ति परे	दशाद्वि के वाद
बेकार समस्या	बेरोजगारी समस्या
अभाव अनाटन	अभाव अनाटन
मारपिंठ	मार्पिट
दंगा दृंगामा	दंगा हंगामा
परिवेश प्रदूषण	परिवेश प्रदूषण
राज्य राज्य भित्ति रे	राज्य राज्य के बीच में
देश देश भित्ति रे	देश देश के बीच में
घमाघोट घूँछ	घमासन लड़ाई
सूत्रपाति	सूत्रपात
विष्फुरण	विस्फोटन
मूक्ति पाइबा पाइँ	मुक्ति पाने के लिए
येते परिश्रुति	जितनी मेहनत
येते हृदयनाहृँ	उतना नहीं होती
परिष्ठ्रिति	परिस्थिति
शताब्दी	शताद्वि
जीवजगत	जीवजगत
विनाश	विनाश

अभ्यास

I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारतीय समृद्धि पथरे किस प्रधान अनुराय छोड़ देखा देकर्त्ता ?
2. योजना कमिशनरक जनसंख्या विशेषज्ञ द्वारा किस प्रकार रिपोर्ट प्रकाशित होती है ?
3. कानूनापाइँ सर्वक घट्टीर सूचना दिआया जाता ?

3. भारत पृथिवीरे क'ण पाइँ प्रथम स्नान अधिकार करिछु ?
4. प्रतिबर्ष केते हाररे जनसंख्या बढ़ि पाउछु ?
5. किपरि भाबरे जबजगतर बिनाश होउयिब ?
6. बिकाशशाल राष्ट्र भारत केहँ नाहिरे येहि बिकाशशाल अवस्थारे हीं रहियिब ?

II. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शब्दों तथा वाक्यांशों के समूह को सही क्रम में रख कर वाक्य बनाइए।

1. देखादेल्लि, पथरे, प्रधान अनुराय, होइ, समृद्धि पथरे, जनसंख्या बढ़ि, एहार, आगुआ देश होउयिले मध्य, विज्ञान एवं, क्षेत्रे एक, प्रश्नुक्ति बिद्या, भारत
2. जनकु गपियिब, एहा बर्तमान, १०४० मध्यहा बेलकु, राष्ट्रर स्नान, पृथिवीर सबुतारु देश, जनसंख्या विशिष्ट, अधिकार करिब
3. परिवेश प्रदूषण उत्पादि, पूर्णर सूचिपात्र होउथाए, येमिति बेकार समस्या, अभाव अनंतन, मार्पिं, घंगा आउ, राज्य राज्य उत्तरे घमाघोट, येमिति
4. जबजगतर, तेबे, शताब्दी शताब्दी धरि, बिनाश होउयिब, एहि परिस्थिति, चाले, यदि
5. भारत, जनसंख्या, बिकाशशाल राष्ट्र, नाहिरे, येहि बिकाशशाल, भारते, गोदरा कोडे येते माडे येते, अवस्थारे हीं रहिब

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

आपशमाने अल्प बहुत जाणिथिबे, याहा घरे ताहा घरण। येहँ घरण दुर्घटा आणे ताहा दुर्घटा। गोटिए नव बहियाउछु। बहुत बर्षा हेला। बन भाङ्गिला, घर भाङ्गिला। लोक मले। गाइ गोरु मले। पंसल नष्ट हेला। एस्तु हेउछु दुर्घटा।

रास्तारे गाढ़ि मरण याउछु। गोटिए गाढ़ि सामनारु आयुरि। मुहाँमुहिँ धक्का हेला। लोक मले। एहा दुर्घटा। रास्तारे गाढ़ियाउछु। रास्ता कड़रे लोक बसिरुन्नि। अशायुत होइ गाढ़ि उपरकु चढ़िगला। लोक मले। एहा मध्य

दुर्घटणा ।

पाहाड़ि रास्ता ढिआरि हैउठि । उपरु पाहाड़ि धसिला । रास्तारे काम करुथिबा लोक पोति होउगले । शिंरे काम हैउठिब । हृतात् बहुत ज्ञोररे पाणि बाहारिला । लोके कवाट बन करि रहिले । तापरे दुर्ग्रन्थ बाष्प बाहारिला लोक मरिगले । एहा मध्य दुर्घटणा ।

रास्तारे लोक याउथिले । मेघ घोड़ेउथिला । झुक्के तोपान हैला । गहु पढ़ि लोक मले । घुम्हुक्के चढ़ेचढ़िरे लोक मले । कुआपथर माढ़रे लोक मले । एसबु दुर्घटणा ।

आउ बि शुश्रीथिबे, भाबि नथिबा घटणा दुर्घटणा । समुद्ररे लोक गाघोउछल्न्ति । हृषि शुभिरे पाणि फोपड़ा फोपड़ि हैउछल्न्ति । हृतात् तले तले सुअं बदलिगला । ऊणे लोक सुअंरे टाणिहोउ उत्तरकु चालिगला । केहि एपरि हैब भाबि नथिले । एहा दुर्घटणा । आपशमाने एवे शबरकागजरे चूनामि विषयूरे पढ़िथिबे । गठ शहे बर्ष उत्तरे भारत उपकुलरे चूनामि होउनथिला । हृतात् देखागला समुद्र पछैल पछैल याउत्ति । मात्रमाने शुश्रीलारे डेउछल्न्ति । येउमाने क'श हैउत्ति देखिबाकु गले किम्बा मात्र धरिबाकु गले, येमाने पद्मरङ्गुठ उकर पाणि चापरे मरिगले । कुलरे बहु घरद्वार भाङ्गिगला । हृज्ञार हृज्ञार लोक मले । एसबु त दुर्घटणा ।

एबु दुर्घटणारे ये लोक मरन्ति, ता न्नुहैँ, येउमाने बथिगले येमाने अक्षम होउगले । काहार बाप मा' मरिछल्न्ति त काहार भाइउरुणी मरिछल्न्ति । काहार पूअ द्विथ मरिछल्न्ति । काहार घरद्वार भाङ्गिरुठि काहार ऊबन यापनर याधन चालियाइछु । दुर्घटणा दुखकष्ट आणे ।

IV. ओडिआ में अनुवाद कीजिए ।

यह गंगा नदी है । तुमने तो गंगा नदी देखी होगी । नदी के किनारे काली के मंदिर में पूजा होगी । आजकल गंगा नदी का जल गंदा होता जा रहा है । अब तुम कलकत्ता जाओ । पश्चुओं की लाशें पड़ी होंगी । यह सिर्फ यहाँ की बात नहीं है । हिमालय से गंगा का उत्तरव होता है । पर्वत प्रदेशों में गंगा पवित्र रहती है । गाँवों तथा नगरों में पहुँचती है तो वह अपवित्र हो जाती है । लोग ही उस का कारण होते हैं । गंदी चीजें उस के पानी में फेंकते हैं । भारत की सब नदियों की हालत यही है ।

लाशें - मृतदेह (मृतदेह)

V. एक दुर्घटना से किसी को आप ने बचाया, उस के बारे में एक छोटा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में निम्न प्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।

यमस्या बढ़िब ।

उतनी ही समस्याएँ भी बढ़ेगी ।

आमर जनसंख्या जेते बढ़िब सेते
समस्या बढ़िब ।

8. देहें थहुा दृष्ट ग्रोहें देहें उल् जितना ठंड होगा मुझे उतना ही
लागिब । अच्छा लगेगा ।
जेते थंडा हेब मोते सेते भल लागिब ।

उपर्युक्त (1) से (5) तक के क्रियारूप ओड़िआ के पूर्ण भविष्यतकालिक रूपों को दिखाते हैं। हिंदी के समान ओड़िआ में भी पूर्णभविष्यतकालिक क्रियाएँ संभावना तथा साधारण पूर्णभविष्यत काल का बोध संदर्भानुसार कराती हैं।

उपर्युक्त (6) से (8) तक के वाक्य ओड़िआ के सहसंबंध सूचक अव्यय शब्दों का प्रयोग दिखानेवाले वाक्य हैं। ये हिंदी के 'जितने'- 'उतने' वाले वाक्यों के जेसे परिमाण का बोध कराते हैं।

ओड़िआ में क्रिया के पूर्ण भविष्यतकाल के रूप दिखाने के लिए मूल क्रिया के साथ 'ଇଥିବି' (-इथिबि), 'ଇଥିବୁ' (-इथिबु), 'ଇଥିବ' (-इथिब), 'ଇଥିବା' (इथिबा), और 'ଇଥିବେ' (-इथिबे) सहायक क्रियाओं का प्रयोग होता है। पुरुष और वचन के साथ क्रिया का रूप भी बदलता है।

जैसे:- (मୁँ) - या + इଥିବ > यାଇଥିବ
(मୁँ) - जा + इଥିବ > जାଇଥିବ

(ଦୁମେ) - या + इଥିବ > यାଇଥିବ तुम गए होगे/गई होगी ।

(ତୁମେ) - जा + इଥିବ > जାଇଥିବ

(ଦେ) - या + इଥିବେ > यାଇଥିବେ वे गए होंगे/गई होंगी

(से) - जा + इଥିବେ > जାଇଥିବେ

उत्तमपुरुष

एकवचन मୁँ यାଇଥିବ । मैं गया हुँगा/ गई हुँगी ।

मୁँ जାଇଥିବି ।

बहुवचन आମେ/ आମେମାନେ यାଇଥିବୁ । हମ/ହମଲୋଗ ଗଏ ହଁଗେ/ ଗଈ ହଁଗୀ ।

ଆମେ / ଆମେମାନେ ଜାଇଥିବୁ ।

ଆମେ / ଆମେମାନେ ଯାଇଥିବୁ ।

ଆମ୍ବେ / ଆମ୍ବେମାନେ ଜାଇଥିବୁ ।

मध्यम पुरुष		
एकवचन	ठू याइथिबू । तु जाइथिबु । ठूमें/ ठूमें याइथिब । तुमे / तुम्हे जाइथिब । आपशं याइथिबे । आपण जाइथिबे ।	तू गया होगा/ गई होगी । तुम गए होगे/ गई होगी । आप गए होंगे/ गई होंगी ।
बहुवचन	ठूमेमाने / ठूमेमाने याइथिब । तुमेमाने/ तुम्हेमाने जाइथिब ।	तुम लोग गए होंगे/ गई होंगी ।
बहुवचन	आपशमाने याइथिबे । आपणमाने जाइथिबे ।	आपलोग गए होंगे/ गई होंगी ।
अन्यपुरुष		
एकवचन	ऐ याइथिब । से जाइथिब ।	वह गया होगा/ गई होगी ।
बहुवचन	ऐमाने याइथिबे । सेमाने जाइथिबे ।	वे लोग गए होंगे/ गई होंगी ।